पर्यावरणीय प्रभाव आकलन

drishtiias.com/hindi/printpdf/environmental-impact-assessment

इसे किसी प्रस्तावित परियोजना अथवा क्रियाकलाप के पर्या
वाले संभावित प्रभावों के अध्ययन के रूप में जाना जाता है।

यह परियोजना के लाभकारी एवं हानिकारक दोनों प्रकार
आकलन करता है।

EIA की संकल्पना एवं विधि का उद्भव 1969 में US में र
नीति अधिनियम (NEPA) के पारित होने के साथ हुआ।

भविष्य में क्रियान्वित होने वाली सभी कार्य—योजनाओं के
अनिवार्य बना दिया गया।

भारत में EIA का आरंभ 1976-77 में नदी घाटी पर
पर्यावरणीय प्रभाव आकलन से हुआ।

EIA प्रक्रिया में 9 चरण होते हैं।

प्रत्येक चरण समान रूप से उपयोग होता है।

प्रमुख चरण निम्नलिखित हैं— जाँच (Screening), प्रयोज
बेसलाइन अध्ययन, प्रभावों की भविष्यवाणी, शमन का माप
Measures) एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन रिपोर्ट,
पर्यावरण प्रबंधन योजना (EMP), निर्णयन, पोस्ट मॉनिटरि